

ॐ

स्वयं विष्णुः स्वयं ब्रह्मा स्वयं शिवः स्वयं परमात्मा स्वयं ईश्वरः स्वयं नारायणः स्वयं रामः स्वयं कृष्णः स्वयं भगवान्

स्वयं महादेवः स्वयं महाशिवः स्वयं महाब्रह्मा स्वयं महाविष्णुः स्वयं महाकृष्णः स्वयं महाभगवान्

पञ्चमः अथ पञ्चमः



॥१॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཀུན་པདུས་དེ་ཐོག་པོ་ཙམ་ལ་ཐུག་པ་ཆེ་ལ་  
 དེ་བུ་། རིག་པ་དེ་ཙམ་ལ་ཐུག་པ་ཆེ་ལ་  
 རིག་པ་དེ་ཙམ་ལ་ཐུག་པ་ཆེ་ལ་  
 རིག་པ་དེ་ཙམ་ལ་ཐུག་པ་ཆེ་ལ་



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

2  
3  
4  
5  
6



མཉུན་མཆོག་ཕུན་སེལ་པ་ལོ་

ཨྱེ། ཨྱེ། མཉུན་མཆོག་ཕུན་སེལ་པ་ལོ་ མཉུན་མཆོག་ཕུན་སེལ་པ་ལོ་ མཉུན་མཆོག་ཕུན་སེལ་པ་ལོ་  
ཨྱེ། མཉུན་མཆོག་ཕུན་སེལ་པ་ལོ་ མཉུན་མཆོག་ཕུན་སེལ་པ་ལོ་ མཉུན་མཆོག་ཕུན་སེལ་པ་ལོ་ མཉུན་མཆོག་ཕུན་སེལ་པ་ལོ་  
ཨྱེ། མཉུན་མཆོག་ཕུན་སེལ་པ་ལོ་ མཉུན་མཆོག་ཕུན་སེལ་པ་ལོ་ མཉུན་མཆོག་ཕུན་སེལ་པ་ལོ་ མཉུན་མཆོག་ཕུན་སེལ་པ་ལོ་  
ཨྱེ། མཉུན་མཆོག་ཕུན་སེལ་པ་ལོ་ མཉུན་མཆོག་ཕུན་སེལ་པ་ལོ་ མཉུན་མཆོག་ཕུན་སེལ་པ་ལོ་ མཉུན་མཆོག་ཕུན་སེལ་པ་ལོ་



མཉུན་མཆོག་ཕུན་སེལ་པ་ལོ་

[illegible]

20

5

去。

५३

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]





[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]



[illegible]





[illegible]

[illegible]





[illegible]



[illegible]

[illegible]

*[The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]*

[illegible]



[illegible]

[illegible]





२५



五

22

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a script, likely Tibetan, arranged in multiple lines within a rectangular frame. The text is dense and appears to be a religious or philosophical manuscript. The script is written in black ink on a light background. The text is organized into several horizontal lines, with some characters appearing to be in a different script or dialect than the main body of text. The overall appearance is that of an ancient or historical document.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]





[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]





25

57

卷之五

登

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ अथ श्रीभक्तिसूक्तम् ॥  
 १। भक्त्या यत्किञ्चिदप्यहं करोमि ॥ तत्तु त्वमेव कुरुष्व मे ॥  
 २। भक्त्या यत्किञ्चिदप्यहं करोमि ॥ तत्तु त्वमेव कुरुष्व मे ॥  
 ३। भक्त्या यत्किञ्चिदप्यहं करोमि ॥ तत्तु त्वमेव कुरुष्व मे ॥  
 ४। भक्त्या यत्किञ्चिदप्यहं करोमि ॥ तत्तु त्वमेव कुरुष्व मे ॥  
 ५। भक्त्या यत्किञ्चिदप्यहं करोमि ॥ तत्तु त्वमेव कुरुष्व मे ॥  
 ६। भक्त्या यत्किञ्चिदप्यहं करोमि ॥ तत्तु त्वमेव कुरुष्व मे ॥  
 ७। भक्त्या यत्किञ्चिदप्यहं करोमि ॥ तत्तु त्वमेव कुरुष्व मे ॥  
 ८। भक्त्या यत्किञ्चिदप्यहं करोमि ॥ तत्तु त्वमेव कुरुष्व मे ॥  
 ९। भक्त्या यत्किञ्चिदप्यहं करोमि ॥ तत्तु त्वमेव कुरुष्व मे ॥  
 १०। भक्त्या यत्किञ्चिदप्यहं करोमि ॥ तत्तु त्वमेव कुरुष्व मे ॥

[illegible]



[illegible]









[illegible]

ॐ  
५  
६  
७  
८  
९  
१०

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]



[illegible]



[illegible]

[illegible]



